RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार, 27 दिसंबर 2022 वर्ष 04 अंक 216 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
R
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महाराष्ट्र में गठबंधन पर संकट के बादल !

विवाद ने पैदा की शिंदे और फडणवीस के बीच दरार...

कर्नाटक से सीमा विवाद को लेकर आमने-सामने शिंदे-फडणवीस सरकार

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर से चर्चा में है। दावा किया जा रहा है कि कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच ताजा सीमा विवाद को लेकर शिंदे और फडणवीस में आपसी मतभेद पैदा हो गए हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि सरकार के दो शीर्ष नेताओं में टकराव से गठबंधन पर संकट पैदा हो सकता है। बताया जा रहा है कि शिंदे गुट सीमा विवाद से जुदा एक प्रस्ताव विधानसभा में लाने जा रहा है लेकिन बीजेपी और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस प्रस्ताव इसके पक्ष में नहीं हैं। इस प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की राय अलग है। जिसके बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं है और इसमें दरार पड़ सकती है।

कर्नाटक में अगले वर्ष होने हैं विधानसभा चुनाव

बता दें कि शिंदे की बालासाहेबची शिवसेना के नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री शंभूराज देसाई ने पिछले हफ्ते कहा था कि उनकी पार्टी कर्नाटक से सीमा विवाद को लेकर सोमवार को विधानसभा में प्रस्ताव लाएगी। हालांकि, राज्य में भाजपा के नेतृत्व की तरफ से ऐसे किसी प्रस्ताव की बात नहीं की गई। बीजेपी इस प्रस्ताव से इसलिए बच रही है क्योंकि कर्नाटक में भी बीजेपी की ही सरकार है और अगले वर्ष वहां चुनाव होने वाले हैं। ऐसे समय में बीजेपी बिलकुल नहीं चाहती कि इस वजह से वहां के लोगों को भड़काया जाए और इसका नुकसान उन्हें आगामी विधानसभा चुनावों में उठाना पड़े।

विपक्ष कर रहा शिंदे पर लगातार हमले

वहीं माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे इस प्रस्ताव लाए जाने के पक्ष में हैं, क्योंकि उद्धव ठाकरे समेत समूचे विपक्ष के नेता शिंदे पर हमलावर हैं। जिसके जवाब में वह इस प्रस्ताव को अपना समर्थन दे रहे हैं। लेकिन विधानसभा में इस प्रस्ताव को लेकर कोई नोटिफिकेशन नहीं जारी हुआ है। हालांकि, प्रस्ताव को लेकर चर्चा अभी जारी है और इसे विधानसभा में शीतकालीन सत्र के अंत में भी लाया जा सकता है।

बेटे को मारा थप्पड़ तो शख्स को चाकू मारकर उतारा मौत के घाट, आरोपी फरार

मुंबई : मुंबई के मलवानी इलाके में मामूली विवाद को लेकर एक 35 वर्षीय शख्स की चाकू मारकर हत्या कर दी गई. सोमवार को पुलिस के एक अधिकारी ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि इस वारदात को रविवार रात मलवानी के राठौड़ी गांव में अंजाम दिया गया. उन्होंने बताया कि आरोपी और पीड़ित मजदूरी करते थे और एक ही मोहल्ला में रहते थे.

बेटे को मार दिया था थप्पड़

पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित ने कथित तौर पर आरोपी के बच्चे को थप्पड़ मार दिया था, इसी बात पर दोनों मजदूरों में बहस हो गई. इसके बाद गुस्से में आकर आरोपी ने अपनी रसोई से चाकू निकाला और उस पर वार कर दिया. इसके बाद आरोपी घटना स्थल से भाग गया, जबकि घायल दूसरे मजदूर को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस की एक टीम भी गठित की गई है.

क्राइम के साए में मुंबई

लाख कोशिशों की बावजूद मुंबई में क्राइम कम होने का नाम नहीं ले रहा है. दो दिन पहले मुंबई में पुलिस ने हत्या के एक अन्य मामले का खुलासा किया था जिसमें एक 27 वर्षीय महिला की कथित तौर पर उसके प्रेमी ने अपने एक सहयोगी के साथ गला घोंटकर हत्या कर दी थी और उसके शव को इस महीने की शुरूआत में एक नदी में फेंक दिया था. नवी मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने इस मामले में रियाज समद खान (36) और इमरान शेख (28) को 17 दिसंबर कोपरखैरने से गिरफ्तार किया था.

बीएमसी अफसरों ने लॉकडाउन में मुंबई के होटलों में की मौज...

भाजपा विधायक का आरोप- 35 करोड़ खर्चे

महाराष्ट्र : कोविड लॉकडाउन में भी बृहन्मुंबई महानगर पालिका के अफसरों ने खूब मौज मजे किए। मुंबई में लॉकडाउन के दौरान ये साहेबान महानगर की पांच सितारा होटलों में रहे। महाराष्ट्र के एक भाजपा विधायक ने दावा किया कि बीएमसी के अफसरों ने इस पर 35 करोड़ रुपये खर्च कर डाले। लॉकडाउन में अफसरों की फाइव स्टार होटलों में मौज का मामला महाराष्ट्र के भाजपा विधायक मिहिर कोचेटा ने उठाया है। उन्होंने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को लिखे पत्र में इस मामले की जांच राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से कराने की मांग की। बीएमसी के इन अफसरों ने वर्ष 2020 से 2021 के दौरान लॉकडाउन में होटलों में ठहरने पर 35 करोड़ खर्च किए। कोचेटा ने लॉकडाउन के दौरान होटलों में ठहरने वाले अफसरों पर कार्रवाई की मांग की है।

आम लोगों के जीवन की परवाह नहीं

कोटेचा ने होटलों में ठहरने पर 34.6 करोड़ रुपये खर्च होने का दावा करते हुए पत्र में लिख कि इस तरह के व्यवहार से पता चलता है कि बीएमसी को आम लोगों के जीवन के बारे में बहुत कम परवाह है, लेकिन वह अपने अधिकारियों को पांच सितारा होटलों में ठहराती है।

ठाकरे गुट को घेरने की कोशिश

कोटेचा के आरोपों को भाजपा द्वारा शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट को घेरने का एक और प्रयास माना जा रहा है। शिवसेना का पिछले तीन दशकों से देश के इस सबसे अमीर नगर निगम पर नियंत्रण है।भाजपा विधायक ने पत्र में कहा कि नर्स और अन्य चिकित्सा कर्मचारी, जो महामारी के दौरान फ्रंटलाइन कार्यकर्ता थे, उन्हें अपना बकाया भुगतान तक समय पर नहीं मिला, लेकिन बीएमसी के अफसरों ने इस तरह का भ्रष्ट आचरण पेश किया, यह नगर निकाय को डुबो रहा है।

शिंदे सरकार ने दिए कैग जांच के आदेश

महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार ने 31 अक्तूबर को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) को कोरोना महामारी के दौरान मुंबई के नगरीय निकाय द्वारा किए गए आवंटन और कार्यों की जांच करने को कहा था। उस अवधि में महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी (एमवीए) की सरकार सत्ता में थी। इसके बाद कैग ने नवंबर में बीएमसी द्वारा कार्यों के आवंटन की जांच शुरू की है।

बता दें, पिछली कोरोना लहरों के दौरान केरल के बाद महाराष्ट्र सर्वाधिक प्रभावित हुआ था। इस दौरान देश के कई नगरीय निकायों के अफसर घर के लोगों को कोरोना से बचाने के लिए घर नहीं जाते थे।

संपादकीय / लेख

बेदर्द सर्दी...!

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

कोहरे और ठंड के सितम के बीच लुढ़कता पारा चिंता बढ़ाने वाली बात है। यहां तक कि मौसम विभाग ने भी उत्तर भारत के कई इलाकों में मौसम के लिये रेड अलर्ट जारी किया है। रविवार को सूरज कम ही नजर आया और कई जगह पारा न्यूनतम सीमाएं छूता रहा। रातें तो रक्त जमाने वाली हैं ही, दिन भी रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। साथ में घना कोहरा वाहन चालकों की जान जोखिम में डाल रहा है। मौसम विभाग आज पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में वर्षा, बर्फबारी तथा पंजाब–हरियाणा में शीत लहर चलने की भविष्यवाणी कर रहा है। यूं तो मौसम का चक्र है, गर्मी के बाद बरसात और फिर सर्दी को आना होता है। यह हमारे जीवन चक्र का हिस्सा भी है। बर्फबारी से पहाड़ों पर संचित बर्फ फिर सदानीरा नदियों के माध्यम से ग्रीष्म ऋतु में जीवन बांटती हैं। लेकिन हमारे समाज की आर्थिक विसंगति मौसम के चरम को असहनीय बनाती है। ऐसे में शीत लहर से लोगों का मरना असमानता को दशार्ता है। हर साल जब सर्दी शबाब पर होती है कई लोगों के दम तोड़ने की खबरें आती हैं। खासकर बेघर लोगों पर सर्दी कहर बरपाती है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में सरकारों की लोक कल्याणकारी भूमिका को लेकर सवाल उठते रहे हैं। एक समय था कि राजा शीत ऋतु में प्रजा के दुख–दर्द जानने निकलते थे। सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था होती थी। रैन बसेरों को बनाया जाता था। लेकिन ऐसी संवेदनशीलता लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ताधीशों में नजर नहीं आती।

ऐसे में सवाल उठता है कि देश में गर्मी में लू से, बरसात में बाढ़ से तथा सर्दी में शीतलहर से लोगों के मरने की खबरें क्यों आती हैं? निस्संदेह हम अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर पाते हैं। दरअसल, मौसम के इस चरम में मरने वाले एक ही वर्ग के लोग होते हैं, गरीब वर्ग के। इन्हें मौसम का चरम नहीं, गरीबी मारती है। जो हमारे समाज की संवेदनहीनता और आर्थिक असमानता की ओर इशारा करती है। दरअसल, समाज का हर व्यक्ति थोड़ा–थोड़ा योगदान दे तो मौसम के कहर और भूख से कोई न मरे। हमारे घरों में ऐसा बहुत सा सामान, कपड़े व गर्म वस्त्र होते हैं जो हम यदि किसी जरूरतमंद को दे दें तो कुछ जीवन जरूर बचाये जा सकते हैं। आधिकांशत: कोई गरीब नहीं होना चाहता। जमीन से उखड़े और परिस्थितियों के मारे लोग ही गरीबी का दंश झेलते हैं। कुछ अपवाद भी होते हैं,लेकिन आमतौर पर मुसीबत के मारे ही रेलवे व बस स्टेशनों पर रात काटते नजर आते हैं। जिनके प्रति समाज का संवेदनशील व्यवहार अपेक्षित है। ताकि उनके जीवन के अधिकार की रक्षा हो सके। एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर हमें प्रशासन और स्थानीय निकाय के अधिकारियों को बाध्य करना चाहिए कि रैन बसेरों की व्यवस्था हो। गरीबों को कंबल व कपड़े स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से बांटे जाएं। निश्चित रूप से मौसम का रौद्र रूप मनुष्य की परीक्षा लेता है। यदि हम उसका मुकाबला करने में वंचितों की मदद करें तो कुछ असमय काल–कवलित होने से बच सकते हैं।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

इंस्टाग्राम पर शख्स को मिला पत्नी का आपत्तिजनक फोटो...!

महिला ने कहा- 'शादी से पहले...'

मुंबई : मुंबई के रहने वाले एक 30 वर्षीय शख्स को उस वक्त तगड़ा झटका लगा जब उसने अपने इंस्टाग्राम के इनबॉक्स में अपनी पत्नी का एक अन्य शख्स के साथ आपत्तिजनक फोटो देखा. मुंबई के रहने वाले एक 30 वर्षीय शख्स को उस वक्त तगड़ा झटका लगा जब उसने अपनी अपने इंस्टाग्राम के इनबॉक्स में अपनी पत्नी का एक अन्य शख्स के साथ आपत्तिजनक फोटो देखा. किसी अन्य शख्स के साथ अपनी पत्नी की आपत्तिजनक फोटो देखकर शख्स के होश उड़ गए. शख्स ने इसको लेकर पुलिस मे शिकायत दर्ज कराई है.

इसी साल मार्च में हुई थी शख्स की शादी

दरअसल यह पूरा मामला पिछले महीने का है. पीड़ित शख्स के इंस्टाग्राम के मैसेज बॉक्स में एक मैसेज आया. जब उसने मैसेज देखा तो उसके होश उड़ गए. वह एक फोटो था जिसमें उसकी पत्नी एक अन्य शख्स के साथ आपत्तिजनक स्थिति में थी. शख्स की शादी इसी साल मार्च में ही हुई थी. इसके बाद शख्स ने इस मामले की शिकायत शनिवार को साकी नाका पुलिस को दी. पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है.

पत्नी से सच्चाई जान उड़े होश

पीड़ित शख्स छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर कार्यरत है और अपनी पत्नी के साथ साकी नाका में रहता है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि 16 नवंबर को शिकायतकर्ता को इंस्टाग्राम पर किसी अंजान शख्स ने एक मैसेज किया. इस मैसेज में एक फोटो था जिसमें उसकी पत्नी किसी अन्य शख्स के साथ दिख रही थी. जब शिकायतकर्ता ने मैसेज भेजने वाले से उसके बारे में पूछा पूछा तो उसने कोई जवाब नहीं दिया.

इसके बाद शिकायतकर्ता अपने घर गया और अपनी पत्नी से इस फोटो के बारे में पूछा. उसकी पत्नी ने स्वीकार किया कि वह अपनी शादी से पहले इस तस्वीर में दिख रहे शख्स के साथ रिलेशनशिप में थी. अपने दोस्त से सलाह लेने के बाद शिकायतकर्ता ने पुलिस के पास जाने का फैसला किया. पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ इलेक्ट्रॉनिक रूप में यौन सामग्री प्रसारित करने का अपराध दर्ज किया है.

पुलिस ने दर्ज किया केस

पुलिस ने बताया कि शिकातकर्ता ने मैसेज भेजने वाले के इंस्टाग्राम अकाउंट का यूआरएल कॉपी कर लिया था और हम उसी के आधार पर मामले की जांच कर रहे हैं. प्रथम दृष्टया यह मामला अश्लील कंटेंट भेजकर बदले की भावना का लग रहा है, ऐसा लगता है कि जैसे शिकायतकर्ता या उसकी पत्नी के किसी जानने वाले ने निजी दुश्मनी का बदला देने के लिहाज से ऐसा किया है.

मुंबई एयरपोर्ट पर लगभग 3 करोड़ रुपये कीमत की 6.4 किलो सोना जब्त

पेस्ट बनाकर की जा रही थी तस्करी

नई दिल्ली: मुंबई के एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ ने कार्रवाई करते हुए एक शख्स को गिरफ्तार किया है जिसके पास से लगभग 6.4 किलोग्राम वजन का सोना बरामद किया गया है. सोने को पेस्ट बनाकर लाया गया था. बरामद सोने का मूल्य लगभग 3 करोड़ रुपया बताया जा रहा है. गिरफ्तार आरोपी ने अपना नाम साहुल हमीद मोहम्मद यूसुफ बताया है. सीआईएसएफ ने उसे सीमा शुल्क अधिकारियों को सौंप दिया है. जानकारी के अनुसार संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए सीआईएसएफ ने उरटकहवाई अड्डे के टर्मिनल -2 पर एक यात्री की निगरानी की. निगरानी के दौरान देखा गया कि उसने फर्श से कुछ सामान उठाया और अपने बैग में रख लिया. सामान अपने बैग में रखने के बाद वह रिटेल एरिया में स्मोकिंग जोन के पास स्थित वॉशरूम में गया, जहां उसने ड्रेस बदली और बाहर आ गया. मजबूत संदेह पर यात्री को खुफिया कर्मचारियों ने पूछताछ के लिए रोका. पूछताछ के दौरान उसके पास से सोना बरामद किया गया. उस यात्री को विस्तारा फ्लाइट नंबर यूके 521 से मुंबई से कोयम्बटूर की यात्रा करनी थी. उसे यह सोना एक अंतरराष्ट्रीय यात्री द्वारा दी गयी थी.

वरिष्ठ कांग्रेस नेता बालासाहेब थोरात घायल, नागपुर में सुबह की सैर के वक्त गिर गए थे

मुंबई : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालासाहेब थोरात सोमवार को नागपुर में सुबह की सैर के दौरान गिरने से घायल हो गए। उन्हें कंधे में चोट आई है। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रवक्ता अतुल लोंढे ने मीडिया को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि थोरात के कंधे की हड्डी टूट गई है, उन्हें इलाज के लिए मुंबई ले जाया जा रहा है। पूर्वमंत्री थोरात के पुणे स्थित पारिवारिक डॉक्टर मुंबई में उनका उपचार करेंगे। नागपुर स्थित एमएलए हॉस्टल के डॉ. संजीव धावड़ ने बताया कि थोरात आज सुबह 7.30 से 8 बजे के बीच मॉर्निंग वॉक के दौरान गिर गए थे। कांग्रेस नेता को एक कंधे में चोट आई है। इसके अलावा कपाल में जख्म हुए हैं। उनका प्राथमिक उपचार करने के बाद उन्हें मेयो अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हत्या मामले में दो लोग बरी

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने 2018 के हत्या के एक मामले में संदेह का लाभ देते हुए दो आरोपियों को बरी कर दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ए.एन सिरसिकर ने 19 दिसंबर को पारित आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष दो आरोपियों अभिषेक कालीराम जोशी (30) और मोगेश सुनील म्हात्रे (29) के खिलाफ आरोप साबित नहीं कर पाया। आदेश की एक प्रति सोमवार को उपलब्ध हुई। अभियोजन ने अदालत को बताया कि यहां भिवंडी इलाके में रहने वाले म्हात्रे और उसके संबंधी पंकज म्हात्रे के बीच काफी समय से घरेलू विवाद था। अभियोजन पक्ष ने कहा कि पांच मार्च 2018 को मोगेश सुनील म्हात्रे ने कथित तौर पर पंकज म्हात्रे की हत्या कर दी। हालांकि बचाव पक्ष के अधिवक्ता विशाल भानुशाली ने आरोपियों पर लगे सभी आरोपों का विरोध किया। अभियोजन पक्ष ने कुल सात गवाहों से जिरह की।

हैदराबाद में मादक दवा कारखाने का भंडाफोड़, 50 करोड़ की मेफेड्रोन जब्त!

मुंबई : डीआरआई अधिकारियों ने हैदराबाद में दो गुप्त प्रयोगशालाओं का भंडाफोड़ कर 25 किलोग्राम मादक दवा मेफेड्रोन जब्त की है। इसकी कीमत लगभग 50 करोड़ रुपये आंकी गई है। यहां पर बड़े पैमाने पर मादक दवा का निर्माण किया जा रहा था। जानकारी के मुताबिक, डीआरआई ने बीते 21 दिसंबर को दो गुप्त प्रयोगशालाओं का भंडाफोड़ किया था। मामले में सात लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। डीआरआई अधिकारियों ने दवा के निर्माण में प्रयोग होने वाली सामग्री, बिक्री से मिले 18.90 लाख रुपये, कच्चा माल, मशीनरी

और तस्करी में इस्तेमाल होने वाले वाहन भी जब्त किए हैं।

मुंबई में तीन करोड़ का सोना जब्त

CISF ने साहुल हमीद नाम के एक भारतीय यात्री को पीली धातु (पेस्ट के रूप में) के साथ पकड़ा। यात्री के पास से लगभग 6.4 किलोग्राम वजनी पीली धातु जब्त की गई। इसकी कीमत उरटक हवाई अड्डे, मुंबई में लगभग 3 करोड़ रुपये आंकी गई। पूछताछ के दौरान उसने पाउच में पेस्ट के रूप में सोना होने की बात स्वीकार की। आगे की कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क विभाग को सौंपा गया है। सीआईएसएफ पीआरओ ने यह जानकारी दी है।

महिला बिल्डर से 31 लाख की ठगी

ट्रैवल कंपनी के दो मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज

ठाणे। ठाणे जिले में एक महिला बिल्डर से 31 लाख रुपए से अधिक रुपए ठगने के आरोप में एक ट्रैवल कंपनी चलाने वाले दंपति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। नौपाड़ा पुलिस थाने के अधिकारी ने महिला की शिकायत के हवाले से कहा कि बिल्डर और उसके परिवार ने यात्रा का प्रबंधन करने वाली कंपनी के पास फरवरी 2020 में अमेरिका जाने के लिए बुकिंग कराई थी। इसके तहत उन्होंने फ्लाइट फीस,वीजा,यात्रा, घूमने और अन्य खर्चों के लिए कंपनी को 31,71,972 रुपए का भुगतान किया था,लेकिन कोविड-19 के कारण इस यात्रा को बाद की किसी तारीख के लिए स्थगित

कर दिया गया। अधिकारी ने कहा कि बाद में तय हुआ कि केवल बिल्डर अमेरिका जाएगी और उसने परिवार के अन्य सदस्यों की बुकिंग रद्द करा दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने इसके लिए सहमति जताई और इस साल 28 अक्टूबर से 11 नवंबर के बीच यात्रा के लिए प्रबंध किया, लेकिन बिल्डर को फ्लाइट की टिकट, होटल बुक कराने की जानकारी और यात्रा संबंधी अन्य जानकारी नहीं दी गई।

इन धाराओं में केस दर्ज

अधिकारी ने बताया कि इसके बाद बिल्डर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर ट्रैवल कंपनी चलाने वाले दंपति के खिलाफ आईपीसी की धाराओं 406 (आपराधिक विश्वासघात) और 34 (साझा इरादे को पूरा करने के लिए कई व्यक्तियों द्वारा किए गए कार्य) के तहत शनिवार को मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है और जांच जारी है। वहीं इससे पहले नारपोली भिवंडी जिला ठाणे महाराष्ट्र में एक गैंग ने एचडीएफसी के 26 लाख रुपए से भरे एटीएम (ATM) को ही काटकर ले गए थे।

घर की महिला किरायेदार निकली बांग्लादेशी

नवी मुंबई। नवी मुंबई के सीवुड इलाके में सामने आए एक वाकये से यह पता चलता है कि मकान किराए पर देते समय पुलिस की एनओसी कितनी महत्वपूर्ण होती है? इस घटना के अनुसार सीवुड इलाके में पिछले डेढ़ साल से किराए के घर में रहने वाली महिला भारतीय की जगह बांग्लादेशी निकली। इस बात का खुलासा घर मालिक द्वारा दिए गये एनओसी की पुलिस जांच में हुआ। इस महिला का नाम डोलीना साहेब खान है जिसके खिलाफ अब पुलिस कार्रवाई में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार मूल रूप से बांग्लादेश की रहने वाली यह महिला पिछले डेढ़ साल से नवी मुंबई इलाके में नौकरानी का काम कर अपना गुजारा कर रही है। यह महिला करावे गांव में नितिन पाटिल के एक कमरे में किराएदार के रूप में रहती थी। महिला को घर किराए पर देने की वजह से मकान मालिक ने पुलिस को सूचित करने के लिए महिला द्वारा दिए गये सभी डॉक्यूमेंट्स को जांच के लिए एनआरआई थाने में जमा कराए थे। महिला की तरफ से एक फर्जी आधार कार्ड का झेरोक्स कॉपी मकान मालिक को दिया गया था, जिसके अनुसार वह नालासोपारा की रहने वाली थी। लेकिन जब पुलिस ने उसकी कुंडली निकाली तो वह बांग्लादेश स्थित विष्णुपुर, पोस्ट माधवपाशा, जिला नोरेल की रहने वाली थी। अब उसके खिलाफ पुलिस कार्रवाई में जुटी गई है।

'एक इंच जमीन के लिए भी लड़ेगा महाराष्ट्र' - देवेंद्र फडणवीस

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद के मुद्दे पर इस समय काफी चर्चा हो रही है. महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को राज्य विधान परिषद में कहा कि केंद्र सरकार को ह्यकर्नाटक के कब्जे वाले महाराष्ट्र के क्षेत्रोंह्ण को केंद्रशासित प्रदेश घोषित कर देना चाहिए. महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद पर उच्च सदन में अपनी बात रखते हुए उद्धव ठाकरे के नेता ने कहा कि यह केवल भाषा और सीमा का नहीं, बल्कि ह्यमानवताह्ण का मामला है.

सीमा विवाद को लेकर विधानसभा में महाराष्ट्र के विधानसभा में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की आलोचना की. उन्होंने एकनाथ शिंदे की कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद में खामोशी पर सवाल उठाया है. उद्धव ठाकरे ने कहा कि कर्नाटक के सीएम जहां सीमा विवाद पर आक्रामक हैं, वहीं सीएम शिंदे खामोश हैं. जब तक सुप्रीम कोर्ट बेलगावी, कारवार और निप्पानी को केंद्र शासित प्रदेश घोषित नहीं कर देता. विधानसभा में जो प्रस्ताव पास होना है. उसमें इसे जोड़ा जाए.

एक-एक इंच जमीन के लिए लड़ेंगे

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कर्नाटक के साथ जारी सीमा विवाद पर कहा कि हम किसी भी हाल में सीमावर्ती इलाकों में रह रहे अपने लोगों को अकेला नहीं छोड़ेंगे. उन्होंने कहा कि हम एक-एक इंच जमीन के लिए लड़ेंगे चाहे वह सुप्रीम कोर्ट हो या केंद्र. हम सीमावर्ती इलाकों में रहने वालों के साथ हुए अन्याय के खिलाफ आखिरी दम तक लड़ेंगे और प्रस्ताव लाएंगे. देवेंद्र ने कहा कि हम महाराष्ट्र नहीं छोड़ेंगे. सोमवार को महाराष्ट्र विधानभा में इस मुद्दे पर नेता अजित पवार ने पूछा कि सरकार सीमा विवाद पर प्रस्ताव पेश क्यों नहीं करती जबकि कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में तय हो गया था कि शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह में वह प्रस्ताव पेश करेगी. उन्होंने कहा कि प्रस्ताव पेश किया जाना सोमवार की कार्य सूची में भी शामिल नहीं है. पवार ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री के बयान ने ह्यमहाराष्ट्र के गौरव को ठेस पहुंचाई है.

क्या है महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद?

महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद उस समय से है, जब राज्यों का गठन हुआ था. इस पूरे विवाद के केंद्र में बेलगाम यानी बेलगावी जिला केंद्र में है क्योंकि महाराष्ट्र दावा करता रहा है कि 1960 के दशक में राज्यों के भाषा-आधारित पुनर्गठन के समय ये मराठी-बहुल क्षेत्र कर्नाटक को गलत तरीके से दिया गया था. महाराष्ट्र ने दावा किया कि सीमा पर 865 गांवों को महाराष्ट्र में विलय कर दिया जाना चाहिए, जबकि कर्नाटक का दावा है कि 260 गांवों में कन्नड़ भाषी आबादी है.

भाजपा विधायक का आरोप

मनपा अधिकारियों के पांच सितारा होटल में रहने पर 35 करोड़ खर्च हुए

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक ने महाराष्ट्र सरकार को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने कोविड-19 से निपटने के लिए लागू लॉकडाउन के दौरान अपने अधिकारियों के पांच सितारा होटल में रहने पर करीब 35 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

भाजपा नेता मिहिर कोटेचा ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को रविवार को लिखे पत्र में 2020 और 2021 में कथित रूप से करीब 35 करोड़ रुपए खर्च करने वाले अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो (एसीबी) से जांच कराए जाने की मांग की। कोटेचा ने आरोप लगाया कि 34.6 करोड़ रुपए खर्च किए गए। उन्होंने कहा, ''इस प्रकार का व्यवहार इस बात पर प्रकाश डालता है कि मनपा को आम लोगों की कतई परवाह नहीं है, लेकिन वह अपने अधिकारियों को पांच सितारा होटल में रखती है।'' कोटेचा के आरोपों को पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना के धड़े को हाशिए पर लाने की भाजपा की एक और कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। शिवसेना पिछले तीन दशक से देश के सबसे अमीर नगर निकाय में सत्ता पर है। विधायक ने कहा, ''हमें यह भी भूलना चाहिए कि वैश्विक महामारी के दौरान अग्रिम मोर्चे पर खड़े होकर सेवाएं देने वाले चिकित्सा कर्मियों को समय पर उनका भुगतान नहीं मिला। इस प्रकार का भ्रष्ट आचरण नगर निकाय को डुबो रहा है।'' मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार ने 31 अक्टूबर को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) से महाविकास आघाडी की पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में महामारी के दौरान मुंबई निकाय द्वारा किए गए कार्यों के आवंटन की जांच करने को कहा था। कैग ने महामारी के दौरान मनपा द्वारा कार्यों के आवंटन की जांच पिछले महीने शुरू की थी।

जनवरी से मनपा के सेंट्रल व इंटरनेशनल बोर्ड स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया

मुंबई। नए साल के शैक्षणिक सत्र में प्रवेश प्रकिया के लिए मनपा की तरफ से समय सारिणी जारी कर दी गयी है. जिसके मुताबिक महानगर पालिका के केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), आईसीएसई व आईबी व कैंब्रिज आईजीसीएसई के नर्सरी स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया चार जनवरी से शुरू होगी। केवल प्री-प्राइमरी सीटों के लिए 4 से 22 जनवरी तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जाएगी। पिछले शैक्षणिक वर्ष (2021-22) से नगर पालिका के शिक्षा विभाग ने नगर पालिका के स्कूलों में सीबीएसई 11वीं व आईसीएसई का एक स्कूल शुरू किया है। माहिम के वूलन मिल

स्कूल में आईसीएसई स्कूल शुरू किया गया है।

इन बारह विद्यालयों के साथ, नगर पालिका का पहला अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा बोर्ड यानी 'आईबी' विद्यालय इस वर्ष विलेपार्ले के दीक्षित रोड स्थित नगर पालिका विद्यालय में शुरू किया गया था। कैंब्रिज बोर्ड से संबद्ध 'आईजीसीएसई' बोर्ड का एक स्कूल एल.के वाघजी स्कूल, लक्ष्मीनारायण रोड, माटुंगा में शुरू किया गया था। इन चौदह स्कूलों में नर्सरी कक्षाओं के लिए प्रवेश प्रक्रिया जनवरी से शुरू होगी। वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के लिए सीबीएसई और आईसीएसई स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया इस साल जनवरी में शुरू की गई थी। लेकिन अभिभावकों की बढ़ती प्रतिक्रिया के कारण, इन स्कूलों में नर्सरी और जूनियर केजी के एक-एक बैच को बढ़ा दिया गया है। प्रत्येक स्कूल में एक बैच में 40 विद्यार्थियों के साथ 80 सीटें बढ़ाई गई हैं। इसलिए 11 सीबीएसई और एक आईसीएसई समेत 12 स्कूलों में कुल 960 सीटें बढ़ाई गईं। लिहाजा अब बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं प्रवेश ले सकेंगे। प्रवेश से संबंधित अधिक जानकारी नगर पालिका की वेबसाइट पर दी गई है।

सीबीएसई स्कूल कहां हैं?

भवानी शंकर रोड म्यूनिसिपल स्कूल, कानेनगर म्यूनिसिपल स्कूल, प्रतीक्षानगर म्यूनिसिपल स्कूल, दिंडोशी म्यूनिसिपल स्कूल, जनकल्याण म्यूनिसिपल स्कूल (मलाड), तुंगा विलेज स्कूल (कुर्ला), रजवाड़ी म्यूनिसिपल स्कूल (विद्याविहार), अज़ीज़बाग म्यूनिसिपल स्कूल (चेंबूर), हरियाली विलेज म्यूनिसिपल स्कूल (विक्रोली पूर्व), मीठागर स्कूल (मुलुंड पूर्व)।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार, 27 दिसंबर 2022

अब्दुल सत्तार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष का हंगामा !

महाराष्ट्र विधानसभा की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित

पिछली राज्य सरकार में मंत्री रहने के दौरान भूमि नियमितीकरण आदेश को लेकर कृषि मंत्री अब्दुल सत्तार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष द्वारा हंगामा करने के बाद सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई. विपक्षी दलों के सभी नेता सदन के वेल मिल में आ गए और सदन की कार्यवाही को बाधित करते हुए अब्दुल सत्तार के इस्तीफे की मांग करने लगे. सभी विपक्षी दलों के नेताओं ने आरक्षित भूमि के कब्जे के ह्यनियमितीकरणह्न के आदेश में अनियमितता का आरोप लगाते हुए सत्तार के इस्तीफे की मांग की.

बॉम्बे हाईकोर्ट में चल रही मामले की सुनवाई

बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने पिछले हफ्ते अब्दुल सत्रार को एक सिविल कोर्ट के आदेश के बावजूद सभी लोगों के लिए चारागाह के लिए आरक्षित भूमि का अधिकार (कब्जा) किसी एक व्यक्ति के नाम करने के लिए नोटिस जारी किया था. इस मामले में सामाजिक कार्यकर्ता श्याम देवले और एक अन्य व्यक्ति ने याचिका दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि सार्वजनिक उपयोक के लिए 37 एकड़ चारागाह की भूमि को एक निजी व्यक्ति के पक्ष में नियमित कर दिया गया था. याचिकाकर्ता ने कहा कि यह तब किया गया जब उन निजी व्यक्ति के दावे को एक सिविल अपीलीय अदालत ने खारिज कर दिया था.

हाई कोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना कि सत्तार ने इस बात की जानकारी होते हुए कि अतिरिक्त जिला न्यायाधीश वाशिम ने निजी शख्स के दावे को खारिज कर दिया है, भी यह आदेश पारित किया. हाई कोर्ट ने कहा कि न्यायाधीश वाशिम ने टिप्पणी भी की थी कि वह शख्स उस सरकारी जमीन को हड़पना चाहता है. हाई कोर्ट में अब इस मामले पर 11 जनवरी 2023 को सुनवाई होगी.

सत्तार पर लगा अनियमितता का आरोप...

बता दें कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार में राजस्व मंत्री रहने के दौरान जून 2022 में अब्दुल सत्तार ने भूमि नियमितीकरण का आदेश पारित किया था. विधानसभा में विपक्ष के नेता अजित पवार ने आरोप लगाया कि इस आदेश के तहत 150 करोड़ रुपये की अनियमितताएं हुई हैं और सत्तार का भूमि नियमितीकरण आदेश अदालत के आदेश का स्पष्ट उल्लंघन है. उन्होंने कहा कि मंत्री सत्तार ने अपने पद का दुरुपयोग किया था, इसलिए उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए.

यदि वे इस्तीफा नहीं देते हैं तो उन्हें बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए. मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए भारी हंगामे के बाद विधानसभा पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गयी.

अनुराधा बालकृष्ण साल्वे के परिवार के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की मांग को लेकर शाहनगर पुलिस थाने तक मार्च

मुंबई : दिनांक 26 दिसंबर 2022 को सुबह 11 बजे महर्षि वाल्मीकि हरिजन सेवा समाज, एवं भीम आर्मी, दक्षिण मध्य मुंबई एवं अन्य संगठनों का शाहनगर पुलिस स्टेशन, मुंबई तक सार्वजनिक मार्च आयोजित किया गया, जिसमें महत्वपूर्ण मुद्दे : 1. रमन अजीत दुलगज के खिलाफ झूठा केस तुरंत रद्द करो... 2. महिला पहचान की आड़ में छेड़छाड़ के झूठे मुकदमे दर्ज करना तत्काल बंद करें... 3. ड्यूटी सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल चव्हाण का तबादला तत्काल निरस्त करें... 4. बेईमानी से, शरारत से अपराधों की रिपोर्टिंग करने वाली महिला अनुराधा बालकृष्ण साल्वे को तुरंत सजा दें... 5. धोखाधड़ी और धोखाधड़ी के मामलों की तुरंत रिपोर्ट उन लोगों को करें 6. पूछताछ करें कि अनुराधा साल्वे ने विभिन्न पुलिस स्टेशनों में छेड़छाड़ के मामले दर्ज किए हैं और अदालत में बी-श्रेणी की झूठी चार्जशीट दाखिल करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करें... 7. पिछले बीस साल से अनुराधा साल्वी के परिवार को जो तकलीफ हो रही है, उसे तुरंत दूर करें...अनुराधा बालकृष्ण साल्वे के परिवार के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की मांग को लेकर शाहनगर पुलिस थाने में सार्वजनिक मार्च किया गया।

संजय राउत नागपुर में फोड़ेंगे बम?

ठाकरे गुट के नेता भास्कर जाधव ने किया खुलासा

महाराष्ट्र : शिंदे-ठाकरे का विवाद पुरे महाराष्ट्र में फैला हुआ है, ऐसे में इनके नेता भी आपस में लड़ते हुए दीखते है। जी हां ठाकरे गुट के नेता भास्कर जाधव ने एक बार फिर शिंदे गुट और भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री नारायण राणे पर जोरदार हमला बोला है। नारायण राणे का राज्यसभा का कार्यकाल खत्म हो गया है। उनकी उपलब्धि शून्य है। वे जानते हैं कि जब तक वे ठाकरे परिवार की आलोचना नहीं करते तब तक उन्हें कोई महत्व नहीं देता। इसलिए भास्कर जाधव ने इशारा किया है कि वे लगातार आलोचना कर रहे हैं।

संजय राउत ने यह भी दावा किया है कि वह नागपुर में एक बड़ा बम विस्फोट करेंगे। इस बीच संजय राउत आज कौन सा बम फोड़ने वाले हैं? इस बारे में पूछे जाने पर भास्कर

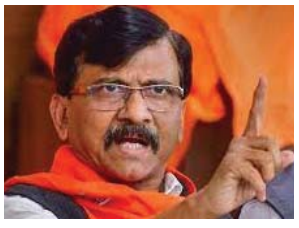

जाधव ने जवाब दिया कि संजय राउत खुद बताएंगे कि वह कौन सा बम फोड़ने जा रहे हैं।

दिशा सालियान मामले पर प्रतिक्रिया

इसी बीच उन्होंने इस मौके पर बोलते हुए दिशा सालियान मामले पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। अनाया उदास ने खुलासा किया कि एयू कौन है। रिया चक्रवर्ती ने भी यह बात कही है। इसी को लेकर भास्कर जाधव ने हमला बोला कि आदित्य ठाकरे पर आरोप लगाने वालों का चेहरा काला और लाल हो गया। उन्होंने सीमावाद की भी कड़ी आलोचना की है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बंबई सीमावर्ती क्षेत्रों में मराठी लोगों के साथ प्रतिदिन अन्याय कर रहे हैं। लेकिन उन्होंने आलोचना की है कि उनके मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के मुंह पर ताला लगा है।

मुख्यमंत्री पर निशाना साधा

इस बार उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को भी चुनौती दी है। कभी महाराष्ट्र कभी दिल्ली के आगे नहीं झुका, लेकिन अब मुख्यमंत्री दिन-रात दिल्ली के आगे झुकते हैं। महापुरुष का बार-बार अपमान करने के बावजूद केंद्र सरकार राज्यपाल को महाराष्ट्र से नहीं हटाती है। दूसरे शब्दों में भास्कर जाधव ने आलोचना की है कि यह भाजपा की नीति है कि राज्यपाल लगातार महाराष्ट्र की जनता और महापुरुषों का अपमान करते रहें।

महाराष्ट्र में दरिंगी !

10 साल की बच्ची के साथ बलात्कार करने वाले आरोपी को किया गया गिरफ्तार

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में सोमवार को एक दरिंदगी का मामसा सामना आया जिसने सभी को हैरान कर दिया। क्योंकि नागपुर जिले में एक अज्ञान व्यक्ति ने चॉकलेट का लालच देकर 10 साल की नाबालिग लड़की के साथ कुकर्म कर दिया । इस कांड ने सभी को दहला कर रख दिया है। इस बात की जानकारी पुलिस ने रविवार को साझा की है।

चॉकलेट का लालच देकर किया कुकर्म

एक अधिकारी ने कहा कि यह घटना शनिवार को शहर के वाडी इलाके में हुई और आरोपी को स्थानीय लोगों ने रंगे हाथों पकड़ लिया तथा पिटाई कर दी। उन्होंने कहा कि लड़की के माता-पिता मजदूर हैं और सुबह काम पर चले गए थे, जिसके

बाद वह एक किराने की दुकान पर गई। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने लड़की को चॉकलेट का लालच दिया और उसे एक नाले के पास ले गया, जहां उसने कथित तौर पर उसके साथ बलात्कार किया।

जानकारी के मुताबिक उन्होंने कहा कि लड़की के रोने की आवाज कुछ लोगों ने सुनी और उसे बचाने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि पीड़िता को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी घटनास्थल से भाग गया था। उसे बाद में धारा 376 (बलात्कार) और भारतीय दंड संहिता के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com ,